

प्रेषक,
सुवर्द्धन,
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।
सेवा में,
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक 21 नवम्बर, 2008

विषय:— वित्तीय वर्ष 2008-09 में 42-अन्य व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि रुपये 2.00 करोड़ के सापेक्ष अवशेष धनराशि रुपये 1.00 करोड़ को व्यय किये जाने की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या— 1517/सं0नि0उ0/दो-3/2008-09 दिनांक 17 नवम्बर, 2008 एवं शासनादेश संख्या— 278/VI-I/2008-2(27)2007 दिनांक 6 जून, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या— 208/VI-I/2008-2(27)2007 दिनांक 8-5-2008 के द्वारा आपके निर्वतन पर रखी गयी दो करोड़ रुपये की धनराशि में अवशेष रु0 1.00 करोड़ (रु0 एक करोड़ मात्र) की धनराशि तृतीय एवं चतुर्थ त्रैमास के कार्यक्रम आयोजन हेतु व्यय किये जाने पर श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2— धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

3— धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की समय सारिणी बनाकर ही आहरण किया जायेगा। आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जायेगी।

4— कार्यक्रम पर होने वाला वास्तविक व्यय से शासन को अवगत कराया जायेगा तथा अतिरिक्त बची शेष धनराशि राजकोष में जमा की जानी सुनिश्चित किया जाय।

2/11

- 5- धनराशि का किसी भी दशा में व्ययर्तन नहीं किया जायेगा। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
- 6- धनराशि का आहरण परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण परिव्यय एवं बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जायेगा। योजनान्तर्गत व्यय प्रारूप इस प्रकार निर्धारित किया जाय जिससे किसी भी दशा में व्यय अतिरेक की स्थिति उत्पन्न न हो तथा आगामी वर्ष हेतु कोई देयता उत्पन्न न हो।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205 कला एवं संस्कृति-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृतिक कार्य निदेशालय-00-42 अन्य व्यय के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।
- 8- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0पत्र संख्या-483 (पी) / वित्त-(3)/2008 दि0 21, नवम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(सुवर्द्धन)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या-566/VI-I/2008-2(27)/2007

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किये जाने हेतु।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(श्याम सिंह)
अनुसचिव।